HISTORY CLASSES +2 (12) IInd year (2019-21)

प्राचीन भारत - Ancient India

प्राचीन भारतीय इतिहास की जानकारी के स्रोत :

* प्राचीन भारत के इतिहास को जानने के तीन मुख्य स्रोत हैं।

1. पुरातात्विक स्रोत
2. साहित्यिक "
3. विदेशी यात्रियों के विवरण - यूनानी, चीनी, तिब्बती, मुसलमान

1 पुरातात्विक स्रोत :- अभिलेख, स्मारक, मुद्राएँ, भवन, मूर्तियाँ, चित्रकला आदि हैं।

2. साहित्यिक स्रोत :- साहित्यिक स्रोत 2 भागों में विभाजित हैं।
  1. धार्मिक साहित्य
  2. लौकिक साहित्य

धार्मिक साहित्य के अन्तर्गत ब्राह्मण साहित्य तथा ब्राह्मणेतर साहित्य को प्रस्तुत किया जा सकता है।

ब्राह्मण साहित्य में :- वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत - पुराण - स्मृतियाँ आदि प्राप्त हैं।

ब्राह्मणेतर साहित्य में :- ~~ऐतिहासिक ग्रन्थ~~ ~~जीवनियाँ~~ ~~कल्पना प्रधान~~ बौद्ध एवं जैन साहित्य प्राप्त होता है। आदि

लौकिक साहित्य में ऐतिहासिक ग्रन्थ ; ~~जीवनी~~ जीवनियाँ, कल्पना प्रधान साहित्य आदि हैं।

Note

Scanned by CamScanner

ब्राह्मण साहित्य :

वेद चार हैं ऋग्वेद, (ii) यजुर्वेद, (iii) सामवेद, (iv) अथर्ववेद।

- वैदिक युग की सांस्कृतिक स्थिति पर प्रकाश डालने के लिए मुख्य स्रोत वेद हैं।

(I) **ऋग्वेद** की रचना काल 1500 ई. पू. से 1000 ई. पू. के मध्य स्वीकार किया जाता है।

- ऋग्वेद में 10 मण्डल
→ = 1028 सूक्त हैं।
→ ऋग्वेद के दो ब्राह्मण ग्रन्थ हैं - ऐतरेय एवं कौषीतकी (शंखायन)
- विश्वामित्र द्वारा रचित ऋग्वेद के तृतीय मंडल में सूर्य देवता (सावित्री) को समर्पित प्रसिद्ध गायत्री मंत्र है।
- इसके 9 वें मंडल में देवता सोम का उल्लेख है।
- इसके 8 वें मंडल के हस्तलिखित ऋचाओं को खिल कहा जाता है।
- चातुर्वर्ण्य समाज की कल्पना का आदि स्रोत ऋग्वेद के 10 वें मंडल में वर्णित पुरुषसूक्त है।
- जिसके अनुसार चार वर्ण हैं (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र)
→ क्रमशः को क्रमशः मुख, भुजाओं, जंघाओं, चरणों से उत्पन्न हुए।
- प्रसिद्ध गायत्री मन्त्र भी ऋग्वेद में ही है।

Note

(2.) यजुर्वेद : यजुर्वेद के प्रमुख उपनिषद् कठ, ईशो पनिषद्, श्वेताश्वतेपनिषद् तथा मैत्रायणी उपनिषद् है।
- यजुर्वेद - गद्य एवं पद्य दोनो मे लिपिबद्ध है।
- मंत्रो तथा बलि के समय अनुपालन का नियमो के संकलन।
- यजुर्वेद मे यज्ञ करने के सही तरीके के जानकारी दी गई है।

(3) सामवेद ⇒ यज्ञों के अवसर पर गाये जाने वाले मंत्रो का संग्रह है।
= इससे भारतीय संगीत का मूल स्वीकार किया जाता है।
- सामवेद में प्रमुखतया सूर्य की स्तुति के मंत्र है।
- " के मंत्रो के गाने वाला 'उद्गाता' कहलाता था।
- सामवेद के प्रमुख उपनिषद् 'छान्दोग्य' तथा "जैमिनीय" है
- " का मुख्य ब्राह्मण ग्रन्थ - पंचविंश है।

Note

(4) अथर्ववेद → अथर्ववेद की रचना समस्त तीनों वेदों के पश्चात हुई थी।

- इसमें 731 सूक्त, 20 अध्याय तथा 6000 मंत्र हैं।
- आर्य एवं अनार्य विचारधारा में समन्वय मिलता है।
- अथर्ववेद में परीक्षित को कुरुओं का राजा कहा गया है।
- उत्तर-वैदिक काल की विस्तृत जानकारी का मुख्य स्रोत अथर्ववेद है।
- अथर्ववेद में → जादू टोना, मंत्र, औषधि निवारण, औषधि प्रयोग, आचार संहिता — धर्म, ब्रह्म मोक्ष आदि अनेक विषयों का वर्णन है।
- अथर्ववेद का एक मात्र ब्राह्मण ग्रन्थ 'गोपथ' है।
- अथर्ववेद के प्रमुख उपनिषद — मुण्डकोपनिषद, प्रश्नोपनिषद तथा मांडूक्योपनिषद है।
- ज्ञान, कर्म, उपासना के मन्त्र मिलते हैं।

Note

Note

Scanned by CamScanner